Alternative sources of Energy

77. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether a substantial change is called for in the realm of power production since our options for hydel and thermal resources are uncertain and limited;

(b) whether any estimate is available with Government about the potentiality available in the country through other sources of energy and if so, what are the details thereof;

(c) which of these are less cost intensive and can be commissioned in shorter period; and

(d) whether any national plan is being drawn up to tap these energy sources in a big way and if so, what are the particulars thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRIMATI SUSHILA ROHATGI): (a) to (d) Thermal and Hydel resources will continue to be the main stay of power generation in the country in the foreseeable future. The use of other resources such as biomass, agricultural/urban waste, solar energy, wind energy, geothermal energy and ocean energy, for production of power is at various stages of investigation/development. It has been estimated by the Department of Non-Conventional Energy Sources that the Non-Conventional Sources of Energy have the potential of contributing about 15000 MW by the end of this century. However, these sources are not less cost intensive as compared to Thermal and Hydel sources. The Plans for utilisation of Non-Conventional Sources of Energy are incorporated in the Five Year Plans.

बिहार की विद्युत परियोजनाएं

78. **श्री अश्विनी कुमार**: क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत 3 वर्षों के दौरान बिहार राज्य विद्युत बोर्ड की विद्युत की औसत उत्पादन क्षमता क्या रही है;

(ख) क्या राज्य की विद्युत संबंधी आवश्यकता अन्य राज्यों से ऊर्जा प्राप्त करके पूरी की गई थी;

(ग) यदि हां, तो विभिन्न राज्यों से इस प्रकार प्राप्त की गई ऊर्जा की मात्रा का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में राज्य को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे हैं अथवा उठाये जाने का विचार है; और

(ङ) केन्द्र सरकार की कौन-कौन सी परियोजनाओं पर कार्य हो रहा है और किस सीमा तक कार्य पूरा कर लिया गया है तथा कौन-कौन सी परियोजनाएं विचाराधीन है?

ऊर्जा मंत्रालय में विद्युत विभाग में राज्य मंत्री (श्रीमती सुशीला रोहतगी): (क) वर्ष 1985-86, 1986-87 तथा 1987-88 के दौरान बिहार राज्य बिजली बोर्ड के ताप विद्युत केन्द्रों का संयंत्र भार अनुपात क्रमश: 34.1%, 33.3% तथा 32.9% था। जल-विद्युत केन्द्रों का विद्युत उत्पादन मुख्य रूप से जलाशयों के स्तर पर निर्भर करता है।

(ख) और (ग) 1987–88 के दौरान पड़ोसी प्रणालियों से बिहार को दी गई सहायता नीचे दिए गए अनुसार थी :—

जिससे सहायता दी गई	मिलियन यूनिट
पश्चिमी बंगाल राज्य बिजली बोर्ड . . .	0.5
दुर्गापुर परियोजना लि० .	27.4
उड़ीसा . .	0.3

1987–88 के दौरान, बिहार में समग्र रूप से 18.6% की विद्युत की कमी रही।

(घ) राज्य में विद्युत की उपलब्धता में वृद्धि करने के लिए किए जा रहे विभिन्न उपायों में ये शामिल है—नई क्षमता शीघ्र चालू करना, विद्यमान क्षमता का इष्टतम समुपयोजन करना, पारेषण तथा वितरण हानियों में कमी करना और **पतरात, बरौनी तथा कारबीधैया ताप विद्युत केन्द्रों में केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रायोजित नवीकरण एवं आधुनिकीकरण स्कीमों को कार्यान्वित करना। क्षेत्र में स्थित केन्द्रीय विद्युत केन्द्रों तथा पड़ौसी प्रणालियों से भी बिहार को यथासंभव सहायता प्रदान की जाएगी।**

(ङ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

बिहार की विद्युत योजनाएं

79. **श्री अश्विनी कुमार :** क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार सरकार की कौन-कौन सी ऊर्जा योजनाएं अभी भी सरकार के विचाराधीन हैं तथा कौन-कौन सी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं ;

(ख) वर्ष 1987–88 और 1988–89 के लिए रांची जिले की कोयलाकारी जल विद्युत परियोजना के लिए क्रमश: कितनी निधि का आवंटन किया गया है और गत 3 वर्षों के दौरान कितनी राशि खर्च की गयी है ;

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान खर्च की गई धनराशि का और आगामी 3 वर्षों के दौरान की जाने वाली धनराशि का ब्यौरा क्या है ; और

(घ) करनपुरा ताप बिजली परियोजना किस तिथि से विचाराधीन है और इस परियोजना पर कब तक कार्य प्रारम्भ किये जाने की सम्भावना है ?

ऊर्जा मंत्रालय में विद्युत विभाग में राज्य मंत्री (श्रीमती सुशीला रोहतगी) : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

Committee to look after central power share amongst States

80. *DR. BAPU KALDATE:* Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether Government have appointed a committee to go into the question of sharing power from the Central Sector power stations among the States;

(b) whether the sub-committee has completed its works; and

(c) if so, what are the recommendations of the sub-committee?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRIMATI SUSHILA ROHATGI): (a) to (c) No, Sir. However, the question of reserving a portion of the electricity generated at Central Power Stations for supply to Central Public